

SYLLABUS FOR COMPUTER BASED RECRUITMENT TEST (CBRT)
FOR THE POST OF ASSISTANT PROFESSORS IN GOVERNMENT COLLEGE

(HINDI)
UNDER
DIRECTORATE OF HIGHER EDUCATION
(Advt No. 10 Year 2018)

- I. General English including Grammar** - 10 marks
- II. Logical Reasoning and Analytical Ability** - 10 marks
- III. General Knowledge, Current Affairs and Events of National and International Importance** - 10 marks
- IV. Core:** - 30 marks

प्रपत्र 1

हिंदी साहित्य : आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल
आदिकाल परिवेश एवं प्रवृत्तियां

- क- राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश
ख- रासो काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियां
ग- सिद्ध, नाथ, जैन काव्य - काव्य परंपरा एवं प्रवृत्तियां
घ- आदिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

भक्ति का उद्भव एवं विकास

- क- राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश एवं उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव
ख- निर्गुण काव्यधारा - संत एवं सूफी काव्य : प्रवृत्तियां
ग- सगुण काव्यधारा : रामभक्ति काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्यधारा: प्रवृत्तियां
घ- भक्तिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

रीतिकाल परिवेश एवं प्रवृत्तियां

- क - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश
ख- रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य, रीतिसिद्ध काव्य
ग - रीतिकाल एवं दरबारी संस्कृति

घ - रीतिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

प्रपत्र 2 -

आधुनिक हिंदी साहित्य (1857 से अब तक)

भाग 1

क- आधुनिक काल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिवेश

ख- नवजागरण

ग-समाज सुधारवादी संस्थाएं

ख -आधुनिक काल में कविता का उद्भव एवं विकास तथा रचनाएं एवं रचनाकार

1- भारतेंदु युग , द्विवेदी युग ,छायावाद ,प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता,
समकालीन कविता

भाग 2

आधुनिक काल में गद्य का उद्भव एवं विकास तथा रचनाएं एवं रचनाकार

1-उपन्यास: उद्भव एवं विकास

2- कहानी: उद्भव एवं विकास

3- नाटक :उद्भव एवं विकास

4- निबंध: उद्भव एवं विकास

5-हिंदी गद्य की अद्यतन विधाएं - आत्मकथा, संस्मरण, जीवनी, रेखाचित्र ,यात्रा साहित्य
- विकास क्रम

प्रपत्र 3

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1- अ- साहित्य एवं काव्य : अवधारणा

एवं स्वरूप , काव्य हेतु एवं प्रयोजन

आ- काव्य के रूप -लक्षण तथा विशेषताएं

-महाकाव्य खंडकाव्य ,गीति काव्य , मुक्तक

इ- रस : अवधारणा एवं स्वरूप

ई- शब्द शक्ति :स्वरूप एवं प्रकार

उ - नाटक: अवधारणा एवं स्वरूप (भारतीय मान्यताओं के आधार पर)

2- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत: रस ,अलंकार, ध्वनि ,रीति , वक्रोक्ति, औचित्य
सिद्धांत

3- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत :प्लेटो, अरस्तु, लॉजाइनस, कॉलरिज, मैथ्यू अर्नाल्ड ,
क्रोचे , आई ए रिचर्ड्स, टी एस इलियट आदि विचारकों के सिद्धांत

प्रपत्र 4

हिंदी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि

- अ- वैदिक दर्शन : वेद, उपनिषद - स्वरूप एवं तत्व
- आ- बौद्ध, जैन दर्शन: स्वरूप एवं तत्व
- इ - मार्क्सवाद: स्वरूप एवं तत्व
- ई- अस्तित्ववाद :स्वरूप एवं तत्व
- उ- मनोविश्लेषण सिद्धांत :स्वरूप एवं तत्व
- ऊ- गांधीवादी दर्शन :स्वरूप एवं तत्व

प्रपत्र 5

भाषा विज्ञान

- अ- भाषा : अवधारणा, स्वरूप एवं लक्षण
- आ- भाषा विज्ञान : अवधारणा एवं स्वरूप
- इ- भारत में भाषा चिंतन
- ई- भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा
- उ- भाषा विज्ञान के अंग
- ऊ- भाषा विज्ञान की शाखाएं
- ए- ध्वनि विज्ञान , स्वनिम , रूपिम
- ऐ- वाक्य : अवधारणा , स्वरूप, प्रकार
- ओ- अर्थ संरचना : स्वरूप, अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन ,अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

Total Marks: 60 Mks

Total Duration: 60 Minutes